प्रेससूचनाब्यूरो
भारतसरकार
*****

संसदमेंनागरिकता (संशोधन) विधेयक 2019 हुआपारित

केंद्रीयगृहमंत्रीश्रीअमितशाहनेकहाकिइसबिलकाउद्देश्यधर्मकेआधारपर पाकिस्तान, अफगानिस्तानऔरबांग्लादेशकेप्रताड़ितअल्पसंख्यकोंकोसंरक्षितकरना है, भारतकेअल्पसंख्यकोंकाइसबिलसेकोईलेना-देनानहींहै|

यहबिलसिर्फनागरिकतादेनेकेलिएहैकिसीकीनागरिकताछीननेकाअधिकारइसबिलमेंनहींहै: केंद्रीयगृहमंत्री

आसामआंदोलनकेशहीदोंकीशहादतबेकारनहींजाएगी, श्रीनरेंद्रमोदीसरकारपूर्वोत्तरकीभाषा, संस्कृतिऔरसामाजिकपहचानकीरक्षाकेलिएप्रतिबद्धहै: केंद्रीयगृहमंत्री

सीएबी (CAB) हमारेघोषणापत्रमेंथाऔरजनतानेविशालजनाधारदेकरइसकासमर्थनकिया है: श्रीअमितशाह

70 सालोंतकपाकिस्तान, बांग्लादेशऔरअफगानिस्तानसेआएवहां केअल्पसंख्यकोंकोभगवानकेभरोसेछोड़दियागया: केंद्रीयगृहमंत्री

यदियहबिल50 सालपहलेआगयाहोतातोसमस्याइतनीबड़ीनहींहोती: श्रीअमितशाह

नईदिल्ली, 11 दिसंबर 2019

केंद्रीयगृहमंत्रीश्रीअमितशाहनेराज्यसभामेंनागरिकता (संशोधन) विधेयक2019 परबोलतेहुएकहाकियहबिलकरोड़ोंलोगोंकोसम्मानकेसाथजीनेकाअवसरप्रदानकरेगा| उनकाकहनाथाकिपाकिस्तान,

बांग्लादेशऔरअफगानिस्तानसेआएअल्पसंख्यकोंकोभीजीनेकाअधिकारहै | उनकाकहनाथाकिइनतीनोंदेशोंमेंअल्पसंख्यकोंकीआबादीमेंकाफीकमीहुईहै, वहलोगयातोमारदिएगए, उनकाजबरनधर्मांतरणकरायागयायावेशरणार्थीबनकरभारतमेंआए | श्रीशाहनेकहाकितीनोंदेशोंसेआएधर्मकेआधारपरप्रताड़ितऐसेलोगोंकोसंरक्षितकरनाइसबिलकाउद्देश्यहै, भारतकेअल्पसंख्यकोंकाइसबिलसेकोईलेना-देनानहीहै|राज्यसभामेंविधेयककापरिचयदेतेहुएश्रीशाहनेयहभीकहाकिइसकाउद्देश्यउनलोगोंकोसम्मानजनकजीवनदेनाहैजोदशकोंसेपीड़ितथे।

श्रीअमितशाहनेकहाकिदेशकाबंटवाराऔरबंटवारेकेबादकीस्थितियोंकेकारणयहबिललानापड़ा।उनकाकहनाथाकि 70 सालोंतकदेशकोभगवानकेभरोसेछोड़दियागया।श्रीनरेंद्रमोदीसरकारसिर्फसरकारचलानेकेलिएनहींआईहैदेशकोसुधारनेकेलिएऔरदेशकीसमस्याओंकासमाधानकरनेकेलिएआई है।श्रीशाहनेकहाकिहमारेपास5 सालकाबहुमतथा,हमभीसत्ताकाकेवलभोगकरसकतेथेकिंतुदेशकीसमस्याकोकितनेसालोंतकलटकाकररखाजाए,समस्याओंकोकितनाकितनाबड़ाकियाजाये।उन्होंनेविपक्षीसांसदोंसेकहाकिअपनीआत्माकेसाथसंवादकरिएऔरयहसोचिएकियदियहबिल50 सालपहलेआगयाहोतातोसमस्याइतनीबड़ीनहींहोती।

श्रीअमितशाहकाकहनाथाकि 2019 केघोषणापत्रमेंअसंदिग्धरूपसेइसबातकीघोषणाकीगईथीऔरयहइरादाजनताकेसमक्षरखागयाथाकिपड़ोसीदेशोंकेप्रताड़ितधार्मिकअल्पसंख्यकोंकेलिएसीएबीलागूकरेंगे, जिसकासमर्थनजनतानेकियाहै | श्रीशाहकाकहनाथाकिदेशकाविभाजनधर्मकेआधारपरहुआयहसबसेबड़ीभूलथी।उन्होंनेकहाकि8 अप्रैल1950 कोनेहरू-लियाकतसमझौताहुआजिसेदिल्लीसमझौतेकेनामसेभीजानाजाताहै, मेंयहवादाकियागयाथाकिदोनोंदेशअपने-अपनेअल्पसंख्यकोंकेहितोंकाध्यानरखेंगेकिंतुपाकिस्तानमेंइसेअमलमेंनहींलायागया।भारतनेयहवादानिभायाऔरयहांकेअल्पसंख्यकसम्मानकेसाथदेशकेसर्वोच्चपदोंपरकामकरनेमेंसफलहुएकिंतुतीनोंपड़ोसीदेशोंनेइसवादेकोनहींनिभायाऔरवहांकेअल्पसंख्यकोंकोप्रताड़ितकियागया।

एकप्रश्नकेजवाबमेंश्रीशाहनेकहाकिनागरिकताबिलमेंपहलेभीसंशोधनहुएऔरविभिन्नदेशोंकोउससमयकीसमस्याकेआधारपरप्राथमिकतादीगईऔरवहांकेलोगोंकोनागरिकता

प्रदानकीगई।आजभारतकीभूमि-सीमासेजुड़ेहुएइन3 देशोंकेलघुमती (अल्पसंख्यक)शरणलेनेआएहैंइसलिएइन3 देशोंकीसमस्याकाजिक्रकियाजारहाहै।

श्रीशाहकाकहनाथाकिपासपोर्ट, वीजाकेबगैरजोप्रवासीभारतमेंआएहैंउन्हेंअवैधप्रवासीमानाजाताहैकिंतुइसबिलकेपासहोने केबादतीनोंदेशोंकेअल्पसंख्यकोंकोअवैधप्रवासीनहींमानाजाएगा । श्रीशाहनेकहाकियहबिलभारतकेअल्पसंख्यकसमुदायकोलक्षितनहींकरताहै।धार्मिकउत्पी ड़नकेशिकारइनतीनोंदेशोंकेलोगरजिस्ट्रेशनकराकरभारतकीनागरिकतालेपाएंगे । श्रीशाहकाकहनाथाकि 1955 कीधारा 5 यातीसरेशेडयूलकीशर्तेंपूरीकरनेकेबादजोशरणार्थीआएहैंउन्हेंउसीतिथिसेनागरिकतादीजा एगीजबसेवहयहांआएतथाइसबिलकेपासहोनेकेबादउनकेऊपरसेघुसपैठयाअवैधनागरिक ताकेकेसस्वतःहीसमाप्तहोजाएंगे । श्रीशाहनेकहाकिअगरइनअल्पसंख्यकोंकेपासपोर्टऔरवीजासमाप्तहोगएहैं, तोभीउन्हेंअवैधनहींमानाजाएगा।

उन्होनेकहाकिश्रीनरेंद्रमोदीसरकारपूर्वोत्तरराज्योंकीभाषाई, सांस्कृतिकऔरसामाजिकहितोंकीरक्षाकेलिएप्रतिबद्धहैं|श्रीशाहनेकहाकिअधिनियमकेसं शोधनोंकेप्रावधानअसम, मेघालय, मिजोरमयात्रिपुराकेआदिवासीक्षेत्रपरलागूनहींहोंगेक्योंकिसंविधानकीछठीअनुसूचीमेंशामि लहैंऔरपूर्वीबंगालकेतहतअधिसूचित 'इनरलाइन' केतहतआनेवालेक्षेत्रकोकवरकियागयाहै।एकमहत्वपूर्णघोषणाकरतेहुएश्रीशाहनेकहाकिम णिपुरकोइनरलाइनपरमिट (ILP) शासनकेतहतलायाजाएगाऔरइसकेसाथहीसिक्किमसहितसभीउत्तरपूर्वीराज्योंकीसमस्या ओंकाध्यानरखाजाएगा।

श्रीअमितशाहनेआसामकाविशेषउल्लेखकरतेहुएकहाकिआसामआंदोलनकेशही दोंकीशहादतबेकारनहींजाएगी । उनकाकहनाथाकि1985 मेंश्रीराजीवगांधीकेद्वाराक्लॉज़सिक्सकेतहतएककमेटीबनानेकानिर्णयलियागयाथाजोवहांके लोगोंकीभाषा, संस्कृतिऔरसामाजिकपहचानकीरक्षाकरतीकिंतुयहआश्चर्यजनकबातहैकि 1985 सेलेकर 2014 तकतीनदशकोंसेज्यादासमयबीतजानेकेबादभीवहकमेटीहीनहींबनसकी । उनकाकहनाथाकि2014 मेंश्रीनरेंद्रमोदीकीसरकारबननेकेबादउसकमेटीकागठनकियागया । उन्होंनेआसामकेलोगोंसेआग्रहकियाकिवहसमझौतेकेप्रावधानोंकोपूराकरनेकेलिएप्रभावी कदमउठानेकेलिएजल्दसेजल्दअपनीरिपोर्टकेंद्रसरकारकोसौंपे।उत्तर-

पूर्वीक्षेत्रोंकेलोगोंकीआशंकाओंकोदूरकरतेहुएगृहमंत्रीनेकहाकिक्षेत्रकेलोगोंकीभाषाई, सांस्कृतिकऔरसामाजिकपहचानकोसंरक्षितरखाजाएगाऔरइसविधेयकमेंसंशोधनकेरूप मेंइनराज्योंकेलोगोंकीसमस्याओंकासमाधानहै।पिछलेएकमहीनेसेनॉर्थईस्टकेविभिन्नहित धारकोंकेसाथमैराथनविचार-
विमर्शकेबादशामिलकियागयाहै।उन्होंनेकहाकिइसमुद्देकोराजनीतिकविचारधाराओंसेपरे एकमानवतावादीकेरूपमेंदेखाजानाचाहिए।

केंद्रीयगृहमंत्रीनेकहाकिइसविधेयकमेंऐसेशरणार्थियोंकोउचितआधारपरनागरिक ताप्रदानकरनेकेप्रावधानहैं,
जोकिसीभीतरहसेभारतकेसंविधानकेतहतकिसीभीप्रावधानकेखिलाफनहींजातेहैंऔरअनु च्छेद 14
काउल्लंघननहींकरतेहैं।श्रीशाहनेयहभीकहाकिदेशकेसभीअल्पसंख्यकोंकोविश्वासदिलाना चाहताहूंकिश्रीनरेंद्रमोदीसरकारकेहोतेहुएइसदेशमेंकिसीभीधर्मकेनागरिककोडरनेकीज रूरतनहींहै, यहसरकारसभीकोसुरक्षाऔरसमानअधिकारदेनेकेलिएप्रतिबद्धहै।

श्रीअमितशाहनेएकसदस्यकेप्रश्नकेजवाबमेंकहाकिहमचुनावीराजनीतिअपनेदेशके नेताकेदमपरकरतेहैंऔरउसमेंसफलहोतेहैंकिंतुदेशकीसमस्याकासमाधानकरतेसमयपूरा ध्यानसमस्यापरकेंद्रितहोता।

श्रीअमितशाहनेकहाकिमोदीजीकेशासनकालमेंपिछले5 वर्षोंमें566 सेज्यादामुस्लिमोंकोभारतकीनागरिकतादीगई।श्रीशाहनेकहाकियहबिलसिर्फनागरिकतादे नेकेलिएहैकिसीकीनागरिकताछीननेकाअधिकारइसबिलमेंनहींहै।उनकाकहनाथाकिश्रीन रेंद्रमोदीसरकारमानतीहैकिजिनकीप्रताड़नाहुईहै,उनसबकीमददसरकारकोकरनीचाहिए ।

***

एसएनसी / डॉडीडी